यूनिवर्सिटी ने 1100 विद्यार्थियों को इंडस्ट्रीज के हिसाब से किया ट्रेंड

यूनिवर्सिटी के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र में शुरू होगी प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र विद्यार्थियों की स्कील को बेहतर करने का काम कर रहा है। केंद्र ने अब तक 1100 विद्यार्थियों को इंडस्ट्रीज की जरूरत के अनुसार तैयार किया है। मल्टीमीडिया, डिजिटल मार्केटिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, एडिटिंग और डिजाइनिंग जैसे कोर्सेस विद्यार्थियों को कराकर यूनिवर्सिटी ने कई को नौकरी भी दिलाई है। अब कौशल केंद्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराने जा रहा है। गर्मियों की छुट्टियों में लॉजिकल रीजनिंग, जनरल नॉलेज, करंट अफेयर्स और कई विषयों की तैयारी कराएगा।

तीन हजार से ज्यादा नहीं रखी गई फीस

जिन मल्टीमीडिया और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के कोर्सेस की फीस प्राइवेट कोचिंग में 30 हजार से एक लाख रुपये तक होती है, यूनिवर्सिटी उसकी तैयारी तीन हजार रुपये में करा रही है। दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की हेड डॉ. माया इंगले का कहना है कई कंपनियां सीएसआर के तहत हमारे साथ जुड़ी हुई है और इनकी मदद से हम हर साल हजारों विद्यार्थियों की स्कील बेहतर कर रहे हैं। जल्द ही प्रतियोगी परीक्षाओं के कोर्स भी शुरू करेंगे। हमारे किसी भी कोर्स की अधिकतम फीस तीन हजार रुपये से ज्यादा नहीं होती।

किसी भी कोर्स के विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं

केंद्र में हर महीने कोई न कोई डिमांड वाला कोर्स शुरू किया जाता है। इसकी अवधि एक दिन से लेकर छह महीने तक की भी होती है।

जरूरतमंद विद्यार्थी भी अगर कोई विशेष कोर्स शुरू करने का आग्रह करते हैं तो इसकी शुरुआत कर दी जाती है। कोर्स में प्रवेश लेने की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है।

सिर्फ एक आवेदन भरने के बाद विद्यार्थी क्लास में आ सकते हैं। डॉ. इंगले का कहना है कि केंद्र को मिलने वाली पूरी राशि विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने में लगा दी जाती है। कई विद्यार्थी जो हजारों रुपये फीस देकर प्राइवेट कोचिंग में पढ़ते हैं, उनके हजारों रुपये बच रहे हैं।

सभी तरह के विशेषज्ञ खुद यूनिवर्सिटी के पास है

कंप्यूटर, ऑर्ट्स और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले विशेषज्ञ खुद यूनिवर्सिटी के विभागों में मौजूद है। जरूरत पढ़ने पर बाहर के विशेषज्ञों को भी कोर्स पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इसमें कई इंडस्ट्रीज के अनुभवी अधिकारी और शिक्षाविद भी विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए आते हैं। कंप्यूटर संबंधित कोर्स कराने में कौशल केंद्र को शहर की कुछ प्राइवेट कंपनियां भी सहयोग देती है।

दीक्षा सम

इंदौर। देवी अ
23 मार्च को हो
कोई फेरबदल
में दिल्ली, केरल
से भी विद्यार्थी श
का मेडिकल टेस्ट
किया है। हालांकि

देअविवि

280 करोड़ का बजट